

潘富恩 徐洪兴 主编

# 中国理学

第二卷

严文儒 吴宣德 编著

东方出版中心

B244.05

p18

2

# 中国理学

(二)

主 编 潘富恩 徐洪兴

本卷编著 严文儒 吴宣德

东方出版中心

## 图书在版编目 (CIP) 数据

中国理学.2/潘富恩,徐洪兴主编;严文儒,吴宣德编  
著.—上海:东方出版中心,2002.6

ISBN 7-80627-891-5

I. 中... II. ①潘... ②徐... ③严... ④吴... III. 理  
学—研究 IV. B244.05

中国版本图书馆 CIP 数据核字 (2002) 第 024579 号

## 中国理学 (二)

---

主 编: 潘富恩 徐洪兴

编 著: 严文儒 吴宣德

责任编辑: 褚贇生

封面设计: 朱海刚

出版发行: 东方出版中心

地 址: 上海市仙霞路 335 号

电 话: 62417400

邮政编码: 200336

经 销: 新华书店上海发行所

印 刷: 上海望新印刷厂

开 本: 850×1168 毫米 1/32

字 数: 300 千

印 张: 12.5 插页: 5

版 次: 2002 年 6 月第 1 版第 1 次印刷

ISBN 7-80627-891-5/B·23

全套定价: 100.00 元 (共 4 册)

---

版权所有, 侵权必究。

# 序 言

潘富恩 徐洪兴

中国是世界上最悠久的文明古国之一。与人类历史上那些差不多与中华古文明同时出现、也曾辉煌一时的古老文明——古埃及、古巴比伦、古印度等——相比,后者早已神魂俱逝、面目全非,惟留下一些断垣残壁、陈迹往事,供游者登临凭吊,发思古之幽情。而中国的文明则传承不绝,精魂犹存。这不能不归功于中国悠久的传统文化,以及由它凝聚起来的中华民族强大的生命力。中华民族之所以能够屹立于世界的东方,创造出绵延五千多年、灿烂辉煌的中国文化,除了具有一定的物质条件之外,更重要的是有其不可或缺的、坚实的思想基础,它是中国传统文化的价值和精神之所在。这个思想基础的核心,就是博大精深的中国传统哲学。

中国哲学发轫于殷周时代,到春秋战国时期出现了“哲学的突破”,儒家、墨家、道家、法家、名家、阴阳家等诸家并起,展开了热烈的思想争鸣,形成了中国学术思想的高度繁荣。秦始皇“焚书坑儒”,中国思想文化的发展受到了一次重大挫折。汉朝继起,学术逐渐复苏,到汉武帝时期,终于形成了“罢黜百家,独尊儒术”的思想格局。这一巨大的转折,是中国古代社会发展的一种必由历史取向。自秦汉大一统封建帝国开创,统治者为了统一思想,曾先后选择过法家和黄老道家的思想作为其统治学说,但实践证明它们只能行于一时。相比之下,只有儒家思想才能真正适应封建统一帝国的长远需要。因为比较其他各家,儒家与中国古老的经济社会传统有更深的现实联系,它不是一时崛起的纯理论主张或虚玄

空想,而是以具有极为久远的氏族血缘的宗法制度为其深厚根基,从而能在家庭小生产农业为经济本位的社会中始终保持现实的力量和传统的有效性。儒家一贯强调“孝悌”是立国之本,强调作为社会等级的伦常秩序的重要性,总是非常地有用和有效。所以,选择儒家思想可谓势在必行。

可是,儒家自孔子开派以来,讲求的是修己安人之学、礼乐刑政之术和齐家治国平天下之道,大抵不越日用伦常之际。儒家的道德形上学虽有子思、孟子一系的阐发,但却始终具体而微。“儒术独尊”尽管在汉代得以实现,但汉儒注重章句注疏、名物训诂和典章制度,而于形上学问题,则满足于“天人感应”的目的论,而对宇宙论、本体论及心性之本原诸关涉哲学的问题,则多不感兴趣。这个问题在两汉以前并不怎么突出,所以也没有引起儒家学者的重视。至于统治者,他们对于教化之事,更重视其功效和实用,却向来不重视理论的探讨,也不需要高深的理论。再则,儒家学说一向缺乏宗教所具有的信仰力量,因此也就没有动力将属于本体层面的理论问题推向深入。

随着两汉以后中国整个思想和学术格局所发生的巨变,新思潮的崛起,外来文化的冲击,整个儒家思想在魏晋南北朝至隋唐的七百多年里,遭受到了前所未有的严峻挑战。这一时期,作为外来文化的佛教,以其特有的一套精致的思辨哲学风靡于中国的思想界,中国传统的文化价值理想面临一场严重的危机。当时,佛教徒认为,中国传统文化哲学基础即宇宙论和心性论过于浅薄,根本不足与佛教相抗衡。佛教讲生、死、心、身,其理论体系无不从宇宙论、世界观和认识论来论证自己的学说,亦即从讨论现实世界的真幻、动静、有无,人们认识的可能、必要、真妄等出发来构建自己的理论。为了回应外来异质思想文化的挑战,抽象而思辨的最高存在问题,变得越来越重要了,这就迫使儒家学者必须对原本不甚感兴趣的宇宙论、本体论及心性之本原诸哲学问题加以探讨。于是,

儒家思想的新的表现形态——理学，开始逐步登上中国历史的舞台。

作为一股强劲的时代思潮，理学滥觞于中唐以后，在北宋的庆历之际开始正式崛起，到北宋的熙宁、元丰年间已形成几个不同的学派，奠定了理学的基础并使之初具规模。进入南宋，随着理学的迅速发展而形成了主流学派，同时理学内部的反对派也开始出现。自南宋末起，理学的主流派逐步向官方的正统哲学发展。从元代开始，理学被朝廷悬为科举功令，一直延续到二十世纪初科举考试被废止。明代中叶，理学内部的反对派异军突起，很快风靡于整个思想界，其流风余韵一直延至明末。明清之际，理学进入其批判性的反思总结阶段，标志着它作为一个时代思潮的终结。有清一代，理学虽仍被最高统治者奉为圭臬，但已不再成为思想和学术的主流。进入现代社会以后，有所谓“新理学”的出现，但它的实质与宋明理学已经有很大的不同。

可以说，理学是中国中古以后占统治地位的思想学说。它既是先秦、汉唐儒家思想的延续和发展，也是对外来异质思想文化选择、淘汰、吸收、整合的结果。理学不仅是宋元明清时期中国的主流思想，而且影响力延续至近现代，成为当代新儒学的直接的前身。此外，理学的影响还跨越了国界，波及到包括朝鲜、日本等在内的整个东亚文化圈，因此成为西方思想文化进入这一地区之前的主流思想。

理学的诞生及其衍变，是中国本土哲学继先秦之后发展的又一高峰，它标志着中华民族理论思维所进入的一个新阶段，在整个人类的认识历史上也占有一席之地。理学又是中国历史上持续时间最长一股时代思潮，因此也是对我们现代中国人说来影响最巨大的那部分传统思想文化。近代著名思想家严复曾指出：“古人好读前四史，亦以其文字耳。若研究人心、政俗之变，则赵宋一代，最宜究心。中国所以成为今日现象者，为善为恶，姑不具论，而为

宋人之所造成，什九可断言也。”（《学衡杂志》第十三期）这是很有根据的论断。

作为中国传统的思想文化，理学有精华，也有糟粕。全面、系统、实事求是地梳理和研究中国历史上的理学思想，有助于我们认识中国传统思想文化的实质，也有助于我们展开让传统文化走向现代化的转化工作。

从已有的成果来看，国内外学术界对宋明理学的研究并不算寂寞。但到目前为止，却尚无一部有关中国理学比较系统、完整且简明的工具书。“东方出版中心”有意做此拾遗补缺的功德之举以嘉惠学者，让不甚了解中国理学的人，通过这套名曰《中国理学》的工具书，能够对中国理学发展的历史过程、重要的人物、著作、事件、概念、范畴、命题等内容，有一个最基本的了解。蒙东方出版中心的好意，邀我们做这一套书的主编。由于是功德之举，所以我们也就不揣浅陋，乐意襄助。

参与这项工作的大多是复旦大学哲学系中国哲学史教研室的教师，以及部分中国哲学专业的博士和硕士研究生。全书由主编发凡起例，确定提纲和条目，然后由分卷主编负责召集具体人员进行撰写。我们的宗旨是力求做到资料可靠，介绍全面，行文平实、公允，尽可能不掺杂个人主观的价值评判。但由于书稿出于众手，未必就能完全做到以上要求。至于全书论述的详略、择目的允当、各卷的照应等问题，我们就更不敢自必。凡此种种，均有待学界同仁和读者诸君的批评指正，这虽属套话，却也是真话。

最后尚须说明，由于本书性质所定，我们于前贤时彦的研究成果多有吸纳，尽管已经做了一些夹注，但限于行文体例等原因，很难一一注明出处，在此谨致以诚挚的谢意！

# 目 录

|          |         |
|----------|---------|
| 序言 ..... | 潘富恩 徐洪兴 |
|----------|---------|

## 人物

|          |   |
|----------|---|
| 概述 ..... | 1 |
|----------|---|

|           |    |
|-----------|----|
| 韩 愈 ..... | 6  |
| 李 翱 ..... | 8  |
| 陈 抃 ..... | 9  |
| 邢 昺 ..... | 9  |
| 柳 开 ..... | 10 |
| 孙 奭 ..... | 10 |
| 范仲淹 ..... | 11 |
| 孙 复 ..... | 12 |
| 胡 瑗 ..... | 13 |
| 石 介 ..... | 14 |
| 欧阳修 ..... | 15 |
| 章望之 ..... | 17 |
| 契 嵩 ..... | 17 |
| 侯 可 ..... | 18 |
| 李 覯 ..... | 18 |
| 刘 牧 ..... | 19 |
| 邵 雍 ..... | 20 |

|           |    |
|-----------|----|
| 王开祖 ..... | 21 |
| 陈 襄 ..... | 22 |
| 倪天隐 ..... | 23 |
| 士建中 ..... | 23 |
| 周敦颐 ..... | 23 |
| 刘 敞 ..... | 26 |
| 司马光 ..... | 27 |
| 张 载 ..... | 30 |
| 王安石 ..... | 33 |
| 孙 觉 ..... | 36 |
| 沈 括 ..... | 37 |
| 吕大钧 ..... | 38 |
| 龚 原 ..... | 39 |
| 吕惠卿 ..... | 39 |
| 程 颢 ..... | 40 |
| 程 颐 ..... | 43 |
| 曾 巩 ..... | 46 |
| 苏 轼 ..... | 47 |
| 苏 辙 ..... | 48 |
| 吕希哲 ..... | 49 |
| 吕大临 ..... | 50 |
| 范 育 ..... | 51 |
| 陆 佃 ..... | 51 |
| 王 雱 ..... | 52 |
| 黄庭坚 ..... | 53 |
| 刘安世 ..... | 54 |
| 苏 曷 ..... | 54 |
| 李 复 ..... | 55 |

|           |    |
|-----------|----|
| 谢良佐 ..... | 56 |
| 游 酢 ..... | 57 |
| 杨 时 ..... | 59 |
| 邵伯温 ..... | 60 |
| 晁说之 ..... | 61 |
| 周行己 ..... | 62 |
| 尹 焞 ..... | 63 |
| 朱 震 ..... | 64 |
| 罗从彦 ..... | 65 |
| 胡安国 ..... | 66 |
| 王 苹 ..... | 68 |
| 吕本中 ..... | 69 |
| 胡 宪 ..... | 69 |
| 刘勉之 ..... | 70 |
| 张九成 ..... | 71 |
| 李 侗 ..... | 72 |
| 朱 松 ..... | 73 |
| 胡 寅 ..... | 74 |
| 胡 宏 ..... | 75 |
| 余允文 ..... | 77 |
| 晁公武 ..... | 77 |
| 张行成 ..... | 78 |
| 杨万里 ..... | 79 |
| 刘靖之 ..... | 80 |
| 朱 熹 ..... | 81 |
| 陆九韶 ..... | 86 |
| 陆九龄 ..... | 87 |
| 张 栻 ..... | 88 |

|           |     |
|-----------|-----|
| 刘清之 ..... | 89  |
| 薛季宣 ..... | 90  |
| 蔡元定 ..... | 91  |
| 唐仲友 ..... | 92  |
| 舒 璘 ..... | 92  |
| 吕祖谦 ..... | 93  |
| 吕祖俭 ..... | 95  |
| 陈傅良 ..... | 96  |
| 陆九渊 ..... | 97  |
| 沈 焕 ..... | 100 |
| 赵汝愚 ..... | 101 |
| 杨 简 ..... | 102 |
| 彭龟年 ..... | 103 |
| 陈 亮 ..... | 104 |
| 傅梦泉 ..... | 106 |
| 詹阜民 ..... | 106 |
| 程端蒙 ..... | 107 |
| 刘 燾 ..... | 107 |
| 辅 广 ..... | 108 |
| 袁 燮 ..... | 109 |
| 叶 适 ..... | 110 |
| 黄 幹 ..... | 112 |
| 董 铢 ..... | 113 |
| 李 壁 ..... | 114 |
| 陈 淳 ..... | 114 |
| 赵秉文 ..... | 115 |
| 张 洽 ..... | 116 |
| 蔡 沉 ..... | 117 |

|            |     |
|------------|-----|
| 李心传 .....  | 118 |
| 饶 鲁 .....  | 119 |
| 董梦程 .....  | 119 |
| 陈振孙 .....  | 120 |
| 汤 千 .....  | 121 |
| 魏了翁 .....  | 121 |
| 真德秀 .....  | 123 |
| 陈 埴 .....  | 124 |
| 何 基 .....  | 125 |
| 李 冶 .....  | 125 |
| 窦 默 .....  | 126 |
| 王 柏 .....  | 126 |
| 姚 枢 .....  | 127 |
| 欧阳守道 ..... | 128 |
| 许 衡 .....  | 129 |
| 黄 震 .....  | 130 |
| 赵 复 .....  | 132 |
| 王应麟 .....  | 132 |
| 金履祥 .....  | 133 |
| 文天祥 .....  | 134 |
| 史蒙卿 .....  | 136 |
| 刘 因 .....  | 137 |
| 吴 澄 .....  | 138 |
| 马端临 .....  | 139 |
| 袁 桷 .....  | 140 |
| 许 谦 .....  | 141 |
| 程端礼 .....  | 142 |
| 谢应芳 .....  | 142 |

|           |     |
|-----------|-----|
| 郑 玉 ..... | 143 |
| 宋 濂 ..... | 144 |
| 刘 基 ..... | 145 |
| 赵 汭 ..... | 146 |
| 王 祎 ..... | 147 |
| 解 缙 ..... | 147 |
| 方孝孺 ..... | 148 |
| 胡 广 ..... | 149 |
| 曹 端 ..... | 149 |
| 薛 瑄 ..... | 150 |
| 吴与弼 ..... | 151 |
| 陈真晟 ..... | 151 |
| 王 恕 ..... | 152 |
| 娄 谅 ..... | 152 |
| 陈献章 ..... | 153 |
| 胡居仁 ..... | 154 |
| 薛敬之 ..... | 156 |
| 张 诩 ..... | 156 |
| 董 沄 ..... | 157 |
| 罗钦顺 ..... | 157 |
| 湛若水 ..... | 159 |
| 王守仁 ..... | 160 |
| 何 塘 ..... | 163 |
| 王廷相 ..... | 164 |
| 汪 俊 ..... | 166 |
| 李经纶 ..... | 167 |
| 黄 绾 ..... | 167 |
| 李 中 ..... | 169 |

|     |     |
|-----|-----|
| 吕 枬 | 170 |
| 韩邦奇 | 171 |
| 王 艮 | 172 |
| 魏 校 | 174 |
| 徐 樾 | 175 |
| 颜 钧 | 177 |
| 舒 芬 | 177 |
| 张邦奇 | 178 |
| 薛 侃 | 179 |
| 何廷仁 | 180 |
| 徐 爱 | 181 |
| 聂 豹 | 182 |
| 杨 慎 | 184 |
| 黄省曾 | 185 |
| 吴廷翰 | 186 |
| 邹守益 | 187 |
| 刘邦采 | 190 |
| 黄弘纲 | 192 |
| 吕 怀 | 193 |
| 魏良弼 | 193 |
| 陈九川 | 194 |
| 钱德洪 | 195 |
| 欧阳德 | 197 |
| 黄宗明 | 199 |
| 程文德 | 200 |
| 陈 建 | 201 |
| 薛 甲 | 202 |
| 薛应旂 | 202 |

|          |     |
|----------|-----|
| 王 畿      | 203 |
| 何 迁      | 205 |
| 王 栋      | 206 |
| 徐 阶      | 207 |
| 罗洪先      | 208 |
| 洪 垣      | 210 |
| 唐顺之      | 212 |
| 赵贞吉      | 213 |
| 王 襞      | 214 |
| 高 拱      | 215 |
| 蔡汝楠      | 216 |
| 罗汝芳      | 217 |
| 何心隐(梁汝元) | 221 |
| 胡 直      | 224 |
| 李 材      | 226 |
| 杨豫孙      | 228 |
| 王时槐      | 229 |
| 王宗沐      | 231 |
| 耿定向      | 232 |
| 李 贽      | 233 |
| 章 潢      | 234 |
| 潘士藻      | 236 |
| 徐用检      | 237 |
| 杨时乔      | 238 |
| 耿定理      | 239 |
| 唐伯元      | 240 |
| 许孚远      | 241 |
| 万廷言      | 242 |

|     |     |
|-----|-----|
| 管志道 | 243 |
| 朱载堉 | 244 |
| 吕 坤 | 245 |
| 张元忬 | 245 |
| 唐鹤征 | 246 |
| 方学渐 | 248 |
| 焦 竑 | 249 |
| 陈 第 | 251 |
| 邓以赞 | 252 |
| 刘元卿 | 253 |
| 孟化鲤 | 254 |
| 杨起元 | 255 |
| 罗大紘 | 256 |
| 钱一本 | 257 |
| 周汝登 | 258 |
| 顾宪成 | 259 |
| 邹元标 | 261 |
| 冯从吾 | 263 |
| 陶望龄 | 265 |
| 高攀龙 | 266 |
| 徐光启 | 268 |
| 刘宗周 | 269 |
| 鹿善继 | 270 |
| 孙奇逢 | 271 |
| 黄道周 | 273 |
| 吕维祺 | 274 |
| 朱之瑜 | 275 |
| 刁 包 | 276 |

|               |     |
|---------------|-----|
| 陈 确 .....     | 277 |
| 傅 山 .....     | 279 |
| 潘平格 .....     | 280 |
| 彭士望 .....     | 281 |
| 黄宗羲 .....     | 282 |
| 方以智 .....     | 284 |
| 陆世仪 .....     | 286 |
| 张履祥 .....     | 287 |
| 张尔岐 .....     | 288 |
| 顾炎武 .....     | 288 |
| 黄宗炎 .....     | 290 |
| 王夫之 .....     | 291 |
| 魏际瑞(魏祥) ..... | 296 |
| 费 密 .....     | 297 |
| 魏 禧 .....     | 298 |
| 李 颀 .....     | 299 |
| 魏 礼 .....     | 301 |
| 吕留良 .....     | 301 |
| 朱彝尊 .....     | 302 |
| 陆陇其 .....     | 303 |
| 胡 渭 .....     | 304 |
| 颜 元 .....     | 305 |
| 熊赐履 .....     | 306 |
| 李光地 .....     | 307 |
| 李 燾 .....     | 309 |
| 李 绂 .....     | 310 |
| 戴 震 .....     | 310 |
| 阮 元 .....     | 314 |